

गजपुर पुं. (तत्.) हस्तिनापुर।

गजबंध पुं. (तत्.) एक प्रकार का चित्र काव्य, जिसमें किसी छंद में अक्षरों की योजना इस प्रकार होती है कि वे हाथी के चित्र में बिठाये जा सकते हैं।

गजब पुं. (अर.) 1. कोप, रोष, गुस्सा पद- गजब इलाही-ईश्वर का कोप, दैवीकोप 2. आपत्ति, आफत, विपत्ति 3. अनर्थ 4. अंधेर, अन्याय, जुल्म जैसे- क्या गजब छाया है कि तुम दूसरे की बात भी नहीं सुनते 5. विलक्षण बात, विचित्र बात मुहा. गजब का- विलक्षण, अपूर्व; गजब ढाना- विलक्षण कार्य करना।

गजबाग पुं. (तद्.) हाथी का अंकुश।

गजबीना वि. (अर.) 1. गजब का 2. गजब करने वाला।

गजभक्षण पुं. (तत्.) पीपल।

गजमंडल पुं. (तत्.) हाथी के माथे पर चित्रित की हुई रंगीन रेखाएँ।

गजमणि स्त्री. (तत्.) गज-मुक्ता।

गजमुख पुं. (तत्.) 1. गणेश का नाम 2. जिसका मुख हाथी के समान हो।

गजमोचन पुं. (तत्.) विष्णु का एक रूप जिसे धारण कर उन्होंने ग्राह से एक हाथी की रक्षा की थी।

गजयूथ पुं. (तत्.) हाथी का झुंड।

गजर पुं. (तद्.) 1. पहर-पहर पर घंटा बजने का शब्द 2. भोर का घंटा 3. जगाने की घंटी, जगोनी 4. चार, आठ और बारह बजने पर उतनी ही बार घंटा बजने का शब्द 5. लाल और सफेद मिला हुआ गेहूँ।

गजरा पुं. (देश.) 1. फूलों की माला, हार 2. एक गहना जो कलाई में पहना जाता है 3. एक प्रकार का रेशमी कपड़ा 4. गाजर का पत्ता।

गजराज पुं. (तत्.) बड़ा हाथी।

गजरी स्त्री. (देश.) कलाई पर पहनने का छोटा गहना।

गज़ल स्त्री. (फा.) 1. उर्दू-फ़ारसी में मुक्तक काव्य का एक भेद, जिसका प्रधान विषय प्रेम होता है 2. वह कविता जिसमें नायिका के सौंदर्य और उसके पति प्रेम का वर्णन हो।

गज़ल गो वि. (फा.) गज़ल रचने या बनाने वाला।

गजवान पुं. (तत्.) महावत, हाथीवान।

गजवैद्य पुं. (तत्.) हाथी का चिकित्सक, हस्तिवैद्य।

गजशाला स्त्री. (तत्.) वह स्थान जहाँ हाथी बाँधे जाते हैं, फ़ीलखाना, हथिसाल।

गजशिक्षा स्त्री. (तत्.) हस्तिशास्त्र, जिसमें हाथियों के विषय में सारी ज्ञातव्य बातों का समावेश है।

गजस्नान पुं. (तत्.) 1. हाथी का स्नान 2. निरर्थक कार्य, क्योंकि हाथी नहाने के बाद अपने ऊपर धूल, कीचड़ आदि डाल लेता है।

गजा पुं. (फा.गज) नगाड़ा बजाने का डंडा स्त्री. एक बंगला मिठाई।

गजाधर पुं. (तद्.) दे. गदाधर।

गजानन पुं. (तत्.) गणेश।

गजायुर्वेद पुं. (तत्.) हस्ति-चिकित्सा-शास्त्र।

गजारि पुं. (तत्.) 1. सिंह 2. शिव का एक नाम 3. एक वृक्ष।

गजारोह पुं. (तत्.) फ़ीलवान, महावत, हाथी पर चढ़ना।

गजाला पुं. (अर.) मृगशावक, हिरण का बच्चा।

गजाशन पुं. (तत्.) 1. पीपल का पेड़ 2. कमल की जड़।

गजासुर पुं. (तत्.) एक दैत्य जिसका संहार शिव ने किया था।

गजी पुं. (फा.) 1. एक प्रकार का मोटा देशी सस्ता कपड़ा, गाढ़ा वि. (तत्.) हाथी पर सवार व्यक्ति, गजारोही स्त्री. नारी, मादा गज, हथिनी।